राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : कर्नाटक संगीत
पाठ 5 : सभा गान का परिचय
कार्यपत्रक - 5

1. कर्नाटक संगीत की एक संगीत विधा की पहचान कीजिये जिसे अभ्यास एवं सभा गान दोनों में स्थान प्राप्त है।

2. साहित्य के संदर्भ में कृति और कीर्तन में एक अंतर स्पष्ट कीजिये ।

3. दो पदम रचयिताओं की पहचान कीजिये ।

4. दो जावली रचयिताओं की पहचान कीजिये ।

5. दो प्रचलित तरंगं की पहचान कीजिये ।

6. तिल्लाना जिस हिंदुस्तानी संगीत विधा के समकक्ष है उसकी पहचान कीजिये ।

7. सभा गान की दो संगीत विधाओं का उल्लेख कीजिये जिनका गायन नृत्य सभाओं में होता है।

8. 'सभा गान के अध्ययन के पूर्व अभ्यास गान का अध्ययन करना अपेक्षित है'। उक्त वाक्य का अपने शब्दों में औचित्य सिद्ध कीजिये ।

9. कीर्तन की एक निजी विशेषता का उल्लेख कीजिये ।

10. स्वाति तिरुनल द्वारा रचित एक तिल्लाना का उदाहरण लिखिए ।